जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक– 49
दिनांक–08.06.2026

जनेकृविवि के प्रशासनिक भवन में वृक्षारोपण कार्यक्रम

जबलपुर 08 जून, 2026। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी प्रशासनिक भवन, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा सहित आला अधिकारी, प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारियों और छात्र–छात्राओं ने परिसर के चारो ओर विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर पर्यावरण के संरक्षण–संवर्धन का संदेश दिया। कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि आज के समय में जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जैव विविधता संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन जैसे मुद्दे बड़ी चुनौती बन चुके हैं। अतः हर वर्ष एक पौधा जरूर लगाए और उसकी देखभाल करें। ताकि अपने आसपास चारो ओर हरियाली एवं स्वच्छ वातावरण बना रहे।

मृदा विज्ञान विभाग में पर्यावरण दिवस–

इसी तरह मृदा विज्ञान एवं रसायन शास्त्र विभाग व जबलपुर चेप्टर ऑफ इण्डियन सोसायटी एण्ड सॉइल साइंस चेप्टर के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों, विद्यार्थियों और विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी ने सक्रिय भागेदारी निभाई। इस दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रजेश दीक्षित ने अपने उदबोधन में जल,जंगल,जमीन के सरंक्षण विशेष बल दिया। सोसायटी के राष्ट्रीय काउंसलर डॉ. बी.एस. द्विवेदी ऑनलाइन के माध्यम से जुड़कर प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में डॉ. एच.के. राय, डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, डॉ. जी.एस. टैगोर सहित अन्य उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. स्वाती बार्चे, संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. ए.के. जैन, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. टी.आर.शर्मा, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. विजय यादव, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय,जबलपुर डॉ. अल्पना सिंह, लेखा नियंत्रक श्रीमति संजू तिवारी, उपलेखा नियंत्रक डॉ. अजय खरे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, डॉ. स्तुति शर्मा सहित विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं एनसीसी और एनएसएस के छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।